टिप्पणी

13

भारत में टेलीविजन

क्या आप टेलीविजन के बिना दुनिया की कल्पना कर सकते हैं? कोई धारावाहिक नहीं, समाचार चैनल नहीं, क्रिकेट मैच नहीं? क्या यह एक उबाऊ दुनिया नहीं होगी? आज टेलीविजन हमारे जीवन का एक अविभाज्य अंग बन गया है। आपके भाई नाराज़ हो जाते होंगे जब उन्हें अपना पसंदीदा टेलीविजन कार्यक्रम देखते समय कोई व्यवधान पहुँचाता है।

टेलीविजन एक हाल ही का आविष्कार है। लगभग पचास वर्ष पूर्व कुछ ही घरों में टेलीविजन सेट होते थे। 1990 में दशक के उत्तरार्द्ध तक भारत की बहुतायत आबादी के लिए 'दूरदर्शन' एकमात्र चैनल था। इस पाठ में आप टेलीविजन का इतिहास जानेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप निम्नलिखित करने योग्य हो जाइयेगा—

- टेलीविजन के उद्भव की जानकारी;
- भारत में टेलीविजन के इतिहास में मील के पत्थरों की पहचान;
- हमारी रोजाना की जिंदगी में टेलीविजन के प्रभाव का विश्लेषण;
- टेलीविजन के नये रुझानों की व्याख्या।

13.1 टेलीविजन का उद्भव

क्या यह विस्मयकारी नहीं है कि समाचार स्टूडियो में सैकड़ों किलोमीटर दूर बैठे समाचार वाचक को आप टेलीविजन का स्विच खोलते ही देख तथा सुन सकते हैं? फिर भी, टेलीविजन एक हाल का ही आविष्कार है। अपने दादा से पूछिये कि क्या उन्होंने अपने बचपन में टेलीविजन देखा है? संभवतः उनके पास घर में एक रेडियो सेट रहा

टिप्पणी

होगा परन्तु टेलीविजन नहीं। टेलीविजन के आने से पहले रेडियो, प्रिंट तथा सिनेमा का अस्तित्व था। टेलीविजन का विचार इसके वास्तविक आविष्कार से बहुत पहले ही किसी के मस्तिष्क में आ गया था। बहुत से आविष्कारक ऐसी तकनीकी स जित करने में जुटे थे जो ध्वनि के साथ द श्य भी संप्रेषित कर सके। यद्यपि अनेक अग्रणी वैज्ञानिकों ने इसे संभव बनाने में अपना योगदान किया, फिर भी जॉन बेयर्ड को ही सामान्यतः टेलीविजन का जनक समझा जाता है। ब्रिटेन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन (बीबीसी) ने पहली टेलीविजन सेवा 1936 में शुरू की। यदि आपके पास उपग्रह या केबल कनेक्शन है, तो आप भी बीबीसी देख सकते हैं। जो विश्व में टेलीविजन के आरम्भिक प्रसारक हैं। 1939 तक टेलीविजन प्रसारण संयुक्त राज्य अमेरिका में भी प्रारंभ हो गया। इस दौड़ में ये देश स्पष्टतः आगे थे। 1950 के दशक में ही व हद् पैमाने पर अन्य देश टेलीविजन प्रसारण शुरू कर सके। यद्यपि द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण इस नये माध्यम का तीव्र विकास मन्द हो गया, युद्धोत्तर वर्षों में यह पुनः तेजी से आगे बढ़ा।

हमने देखा कि टेलीविजन किस प्रकार अस्तित्व में आया। फिर भी प्रारंभ में टेलीविजन देखना वैसा नहीं था जैसा कि आज हम देखते हैं। यह बेहद प्रारंभिक था। प्रारंभिक कैमरे की तकनीकी सीमाओं के कारण अदाकार या एक्टर बेहद गरम प्रकाश में काम करते थे। कल्पना करिये कि किसी को पूरे मेकअप के साथ चकाचौंध रोशनी में समाचार पढ़ने की कोशिश करनी पड़े। प्रारंभिक टेलीविजन प्रसारण मात्र श्वेत–श्याम था। यू.एस.ए. में 1953 में कोलम्बिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम (सी.बी.एस.) ने पहला सफल रंगीन कार्यक्रम प्रसारित किया। विभिन्न लोकप्रिय कार्यक्रमों के साथ टेलीविजन सेट अब मनोरंजन का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया। अगले दो दशकों में टेलीविजन धीरे–धीरे माध्यम के तौर पर परिपक्व होता गया। ''तस्वीर के साथ रेडियो'' माने जाने वाले इस माध्यम ने धीरे–धीरे अपनी अनूठी शैली विकसित कर ली। परिणामस्वरूप इस अवधि को टेलीविजन का ''स्वर्णिम युग'' कहा जाता है।

स्मरण योग्य तिथियाँ

1936 – ब्रिटेन के ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन ने दुनिया की पहली टेलीविजन सेवा शुरू की।

1939 – टेलीविजन प्रसारण का यू.एस.ए. में आरंभ

1950 का दशक – व हद पैमाने पर अन्य देशों में भी टेलीविजन प्रसारण शुरू

1953 – यू.एस.ए. में सीबीएस ने पहला सफल रंगीन कार्यक्रम प्रसारित किया।

आज की दुनिया में, टेलीविजन जन संचार के सशक्त माध्यमों में से एक बन चुका है।

टिप्पणी

यह शिक्षा, सूचना तथा मनोरंजन प्रदान कर सकता है। टेलीविजन हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। अगले भाग में आप भारत में टेलीविजन के इतिहास के विषय में जानेंगे।

पाठगत प्रश्न 13.1

1. सामान्यतः किसे टेलीविजन का जनक होने का श्रेय जाता है?

2. दुनिया के सबसे पहले टेलीविजन प्रसारक का नाम बताइये।

3. विश्व में रंगीन प्रसारण कब शुरू हुआ?

4. सही उत्तर पर सही का निशान लगाइये

   (i) इनमें से कौन सा आविष्कार बाद में हुआ?

   (क) सिनेमा (ख) रेडियो (ग) प्रिंट (घ) टेलीविजन

   (ii) कौन से देश ने पहली टेलीविजन प्रसारण सेवा शुरू की?

   (क) यू.के. (ख) यू.एस.ए. (ग) स्पेन (घ) भारत

   (iii) टेलीविजन के विकास को मंद करने वाली घटना कौन सी थी?

   (क) द्वितीय विश्वयुद्ध (ख) क्रीमियन युद्ध

   (ग) प्रथम विश्वयुद्ध (घ) गल्फ युद्ध

13.2 भारत में टेलीविजन का इतिहास

क्या आप जानते हैं कि भारत में टेलीविजन प्रसारण 'ऑल इंडिया रेडियो' (एआइआर) के अंतर्गत प्रारंभ हुआ? टेलीविजन भारत में एक प्रयोग के तौर पर 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। प्रारंभ में सप्ताह में दो बार एक –एक घंटे के कार्यक्रम प्रसारित होते थे।

कल्पना कीजिए कि आपका टेलीविजन सेट सप्ताह में केवल दो घंटे ही चलता है। क्या आज आप ऐसी स्थिति सोच भी सकते हैं? परंतु प्रारंभिक वर्षों में ऐसा ही था। प्रारंभिक प्रसारण का संचालन 'आल इंडिया रेडियो' करता था।

1959- टेलीविजन एक प्रयोग के तौर पर भारत में प्रारंभ

टिप्पणी

इन प्रायोगिक प्रसारणों के प्रारंभिक कार्यक्रम सामान्यतः स्कूल के बच्चों तथा कृषकों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम थे। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों तथा दिल्ली के आसपास के विद्यालयों में इन कार्यक्रमों के प्रसार के लिए अनेक सामुदायिक टेलीविजन सेट लगाये गये। 1970 तक देश के अन्य हिस्सों में भी टेलीविजन केन्द्र खुले। 1976 में 'दूरदर्शन' जो अब तक 'आल इंडिया रेडियो' का अंग था, एक अलग विभाग बन गया।

1976- दूरदर्शन आल इंडिया रेडियो (एआइआर) से अलग होकर एक स्वतंत्र विभाग बन गया।

क्या आपके इलाके में कोई सामुदायिक टेलीविजन सेट लगाया गया है? भारत में टेलीविजन के इतिहास में सामुदायिक टेलीविजन सेट का वितरण एक महत्वपूर्ण घटना थी। सेटेलाइट इन्स्ट्रक्शनल टेलीविजन एक्सपेरिमेंट (एस.आइ.टी.इ.)। इसे अगस्त 1975 तथा जुलाई 1976 के बीच संचालित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार ने अमरीकी उपग्रह ए.टी.एस.–6 का उपयेाग भारत के गाँवों में शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए किया। इस प्रयोग के लिए छः राज्य चुने गये तथा इन राज्यों में टेलीविजन सेट वितरित किये गये। क्या आपका राज्य 'साइट' कार्यक्रम का हिस्सा था? अपने बुजुर्गों से पूछिए कि क्या इस अवधि में पास–पड़ोस में कोई सामुदायिक टेलीविजन सेट दिया गया था?

1975-76 - सैटेलाइट इन्स्ट्रक्शनल टेलीविजन एक्सपेरिमेंट (एसआइटीइ-साइट)

टेलीविजन का उपयोग विकास हेतु करने के लिए 'साइट' भारत द्वारा उठाय गया एक महत्वपूर्ण कदम था। कार्यक्रमों का निर्माण 'दूरदर्शन' द्वारा किया गया था जो तब ऑल इंडिया रेडिया का एक अंग था। दिन में दो बार, सुबह तथा शाम को प्रसारण होता था। कृषि सम्बन्धी सूचना के अतिरिक्त स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन अन्य महत्वपूर्ण विषय थे जो इन कार्यक्रमों में लिये जाते थे। न त्य, संगीत, नाटक, लोक तथा ग्रामीण कला के रूप में मनोरंजन कार्यक्रम भी इसमें शामिल थे।

भारत के टेलीविजन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना 1982 में आयोजित एशियाई खेलों का प्रसारण है। पहली बार 'दूरदर्शन' ने उपग्रह इनसेट–1ए. की माध्यम से राष्ट्रीय प्रसारण किया। पहली बार ही यह प्रसारण रंगीन था। घरेलू प्रसारण के साथ ही 'दूरदर्शन' ने अन्य कई देशों के प्रसारणों को सामग्री उपलब्ध करायी। 1982 के बाद दूरदर्शन द्वारा किये जाने वाले सजीव क्रीड़ा कार्यक्रमों में भारी व द्धि हुई।

1982- दूरदर्शन ने उपग्रह इनसैट-1 ए. के माध्यम से पहली बार राष्ट्रीय प्रसारण किया।

टिप्पणी

1983 तक सरकार ने 'दूरदर्शन' का व हद् स्तर पर विस्तार स्वीकृत कर दिया। देशभर में ढेर सारे नये ट्रांसमिटर लगाये गये।

इस प्रकार 80 के दशक के अंत तक इन ट्रांसमिटरों के द्वारा लगभग 75 प्रतिशत जनसंख्या तक दूरदर्शन कार्यक्रम पहुँचने लगा। 'दूरदर्शन' के अनेक कार्यक्रम जैसे हमलोग, बुनियाद तथा नुक्कड़ बेहद लोकप्रिय हुए। क्या आपने इनमें से कोई एक धारावाहिक देखा है?

1983 - सरकार ने दूरदर्शन का व हद स्तर पर विस्तार स्वीकृत किया

1997 में एक वैधानिक स्वायत्त निकाय 'प्रसार भारती' की स्थापना की गयी। 'प्रसार भारती' के अंतर्गत 'दूरदर्शन' तथा ए.आइ.आर को सरकारी निगम के अधीन कर दिया गया। 'प्रसार भारती निगम' की स्थापना देश के लोक सेवा प्रसारक के तौर पर कार्य करने के लिए की गयी जिसे अपना लक्ष्य 'दूरदर्शन' तथा ए.आइ.आर के माध्यम से प्राप्त करना था। 'दूरदर्शन' तथा ए.आइ.आर. को स्वायत्तता देने की दिशा में यह एक प्रयास था। परन्तु 'प्रसार भारती' दूरदर्शन को सरकारी नियंत्रण से बचाने में कामयाब नहीं रहा।

1997 - प्रसार भारती की स्थापना

क्या आप 'ज्ञानदर्शन' देखते हैं जो 'दूरदर्शन' का शैक्षिक चैनल है? क्या आप इस चैनल के कार्यक्रमों को उपयोगी समझते हैं? 'दूरदर्शन' का कौन सा चैनल आपका पसंदीदा चैनल है? आज करीब 90 प्रतिशत भारतीय जनसंख्या 'दूरदर्शन' नेटवर्क के माध्यम से 'दूरदर्शन' कार्यक्रम प्राप्त कर सकती है। 'ऑल इंडिया रेडियो' के एक अंग के रूप में एक महत्वपूर्ण शुरुआत से आज 'दूरदर्शन' लगभग 30 चैनलों के साथ एक विशाल टेलीविजन प्रसारक बन गया है। इसमें क्षेत्रीय उपग्रह चैनल, राज्य के नेटवर्क, अंतरराष्ट्रीय चैनल तथा डीडी नेशनल, डीडी न्यूज, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी ज्ञानदर्शन, डीडी भारती, डीडी उर्दू तथा लोकसभा चैनल जैसे अखिल भारतीय चैनल शामिल है। आपकी क्षेत्रीय भाषा में 'दूरदर्शन' कौन सा चैनल प्रसारित करता है?

क्रियाकलाप 13.1: *'दूरदर्शन' के सभी चैनलों की एक सूची बनाइये। पहले उनमें से पाँच देखिये तथा पता लगाइये कि प्रत्येक का उद्देश्य क्या है।*

स्मरण योग्य तिथियाँ

1959 — प्रायोगिक तौर पर भारत में टेलीविजन प्रारंभ।

1975 — 'साइट' कार्यक्रम शुरू।

1976 — 'दूरदर्शन' जो ए.आइ.आर. का एक अंग था, एक अलग विभाग बना।

1982 — नौवें एशियाई खेलों का प्रसारण। पहली बार 'दूरदर्शन' ने राष्ट्रीय प्रसारण का व हद स्तर पर विस्तार स्वीकृत किया।

टिप्पणी

1997 — 'प्रसार भारती' की स्थापना

पाठगत प्रश्न 13.2

1. एस.आइ.टी.इ. (साइट) का पूर्ण रूप क्या है?
2. भारतीय टेलीविजन के इतिहास में वर्ष 1982 का क्या महत्व है?
3. 'प्रसार भारती' क्या है?
4. (i) भारत में टेलीविजन इस तौर पर प्रारंभ हुआ।

   (क) एक प्रयोग

   (ख) मनोरंजन का स्रोत

   (ग) शिक्षा का माध्यम

   (घ) विकास का उपकरण

   (ii) 'ज्ञानदर्शन' है

   (क) एक मनोरंजन चैनल

   (ख) एक शैक्षिक चैनल

   (ग) एक खेल चैनल

   (घ) एक समाचार चैनल

   (iii) 1982 में राष्ट्रीय प्रसारण हेतु 'दूरदर्शन' द्वारा प्रयुक्त उपग्रह था।

   (क) ए.टी.एस. 6 (ख) आर्यभट (ग) आई.आर.एस.1 सी (घ) इन सैट–1 ए

   (iv) 'दूरदर्शन' इसका एक अंग बनकर शुरू हुआ।

   (क) ए.आई.आर (ख) प्रसार भारती (ग) एस.आई.टी.ई. (घ) कृषिदर्शन

13.3 निजी टेलीविजन चैनलों का उद्‌भव

इस प्रकार आपने देखा कि इन वर्षों में 'दूरदर्शन' किस प्रकार विकसित हुआ। लेकिन आज 'दूरदर्शन' के अतिरिक्त हमारे पास अनेक चैनल है। आपने 'उपग्रह चैनल' शब्द सुना होगा। सामान्यतः उपग्रह का उपयोग संचार या अनुसंधान के उद्‌देश्य से होता है। मानव निर्मित उपग्रह वह वस्तु है जो प थ्वी या किसी अन्य अंतरिक्ष वस्तु की कक्षा में स्थापित किये जाते हैं। आओ अब हम जानें कि उपग्रह किस प्रकार आपके घर में आपके पसंदीदा टेलीविजन कार्यक्रम ले आने में मदद करते हैं।

टिप्पणी

एक उपग्रह और आप द्वारा केबल नेटवर्क पर देखे जाने वाले एक धारावाहिक में क्या सम्बन्ध है? ये दोनों आपस में पूर्णतः असंबद्ध प्रतीत हो सकते हैं। परन्तु संचार उपग्रह आपके घर में धारावाहिक ले आने में सहायक होते हैं। क्या आपके पास कभी एक एंटीना के साथ टेलीविजन सेट रहा है, जिसकी दिशा सिग्नल प्राप्त करने के लिये तय की जाती हैं? ऐसे में भारी वर्षा या खराब मौसम से आपके टेलीविजन देखने में बाधा उत्पन्न हो सकती है। संचार उपग्रह के आने से इस स्थिति में भारी सुधार हुआ है।

आप अपने टेलीविजन सेट पर कितने चैनल देख सकते हैं? स्टार, आजतक, एन.डी.टी.वी., जी आदि अनेक टेलीविजन चैनलों में से कुछ हैं जो आज हमारे लिये उपलब्ध हैं। अपनी माँ से पूछिये कि क्या उनके बचपन में इतने सारे चैनल चुनाव करने के लिये थे? उत्तर 'नहीं' मिलेगा। ऐसा इसलिये कि ये निजी चैनल भारतीय टेलीविजन प्रसारण में बिलकुल हाल ही में आये हैं। प्रारंभिक दिनों में 'दूरदर्शन' का एकाधिकार था क्योंकि तब भारतीय के दर्शकों के लिये यही एकमात्र उपलब्ध चैनल था। निजी चैनलों के आने के साथ 1990 के दशक में यह स्थिति बदली। एक अमरीकी समाचार चैनल केबल न्यूज नेटवर्क (सी.एन.एन.) द्वारा खाड़ी युद्ध के प्रसारण ने भारत में उपग्रह टेलीविजन के आने का मात्र प्रशस्त कर दिया। सी.एन.एन. सिग्नलों को प्राप्त करने के लिये उपग्रह डिश का उपयोग हुआ और इस तरह तुरन्त केबल संचालकों ने उपग्रह प्रसारण अपना लिया।

हांगकांग आधारित एस.टी.ए.आर. (सेटेलाइट टेलीविजन एशियन रीजन, स्टार) ने एक भारतीय कंपनी के साथ अनुबंध किया और इस तरह जी टी.वी. का जन्म हुआ। यह भारत का पहला निजी स्वामित्व का हिंदी उपग्रह चैनल था। लेकिन स्टार और जी के बीच समझौता बहुत दिनों तक कायम नहीं रहा। भारतीय टेलीविजन दर्शक 'दूरदर्शन' के एकाधिकार की स्थिति से परिवर्तन की प्रतीक्षा कर रहा था और जल्द ही अनेक निजी चैनल अस्तित्व में आ गये। 1995 में सर्वोच्य न्यायालय के एक आदेश में कहा गया कि वायु तरंगों पर भारत सरकार का एकाधिकार नहीं हो सकता और इस तरह अन्य चैनलों के आगमन का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस अवधि में अनेक क्षेत्रीय चैनल भी आ गये। सनटी.वी. (तमिल), एशियानेट (मलयालम) और इनाडु टी.वी. उनमें से कुछ हैं। आज लगभग भारत की हर प्रमुख भाषा में टेलीविजन चैनल हैं। आपका पसंदीदा क्षेत्रीय चैनल कौन सा है?

क्षेत्रीय चैनलों के अलावा सी.एन.एन. बी.बी.सी. तथा डिस्कवरी जैसे ढेर सारे अन्तरर्राष्ट्रीय चैनल भी अब भारतीय टेलीविजन दर्शक के लिये उपलब्ध है। चैनलों की विभिन्न श्रेणियों जैसे 24 घंटे का समाचार चैनल, धार्मिक चैनल, कार्टून चैनल, सिनेमा चैनल आदि के साथ अब हर एक दर्शक को देखने के लिये कुछ न कुछ उपलब्ध है।

टिप्पणी

क्रियाकलाप 13.2: *अपने क्षेत्र में केबल नेटवर्क द्वारा उपलब्ध विभिन्न चैनलों की श्रेणी बनाइये जैसे समाचार चैनल, मूवी चैनल, धार्मिक चैनल आदि।*

पाठगत प्रश्न 13.3

1. वायु तरंगों के सरकारी एकाधिकार के सम्बन्ध में उच्चतम न्यायालय का आदेश क्या था?

2. वह घटना बताइये जिसने भारत में उपग्रह टेलीविजन के आगमन का मार्ग प्रशस्त किया।

3. रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त शब्द/शब्दों के साथ करें—

   (i) ..... भारत का पहला निजी स्वामित्व वाला हिंदी उपग्रह चैनल था।

   (ii) एशियानेट ..... का क्षेत्रीय चैनल है।

   (iii) एस.टी.ए.आर. का पूर्ण रूप है .....।

   (iv) निजी चैनलों के आगमन से पूर्व ..... भारत की विशाल जनसंख्या के लिये उपलब्ध एकमात्र टेलीविजन चैनल था।

   (v) ..... निजी टेलीविजन चैनल का एक उदाहरण है।

13.4 हमारे दैनिक जीवन में टेलीविजन का प्रभाव

हमने पढ़ा कि टेलीविजन जनसंचार का एक बेहद लोकप्रिय माध्यम है। यह हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है और यह हमारे द ष्टिकोण को भी प्रभावित करता है। इन प्रभावों का परिणाम सकारात्मक व नकारात्मक दोनों हो सकता है। सकारात्मक पक्ष देखें तो टेलीविजन एक अद्भुत शिक्षक है। क्या आपकी छोटी बहन उछल नहीं पड़ेगी अगर एक कार्टून शो उसे गणित पढ़ाने लगे? टेलीविजन का उपयोग जनशिक्षा के लिये एक अद्भुत माध्यम के तौर पर भी किया जा सकता है जैसे 'साइट' प्रयोग। अपने पसंदीदा चैनल के ऐसे कार्यक्रम बताइये जिनका समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सके।

टेलीविजन हमारे लिये नये क्षितिज भी खोल सकता है। अपने कमरे में बैठकर आप वह सूचना रिमोट का बटन दबाते ही प्राप्त कर सकते हैं जो इराक जैसे दूर के देश की घटना के बारे में है। टेलीविजन का उपयोग पर्यावरण प्रदूषण और वैश्विक गरमी जैसे मुद्दों पर जागरूकता उत्पन्न करने के लिये भी किया जा सकता है। क्या आप कोई ऐसा कार्यक्रम या लोक सेवा विज्ञापन याद कर सकते हैं जिससे पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के बारे में आपकी जागरूकता बढ़ी हो? टेलीविजन मनोरंजन भी प्रदान कर सकता है और इस प्रकार तनावमुक्ति का एक साधन भी बन सकता है।

क्रियाकलाप 13.3: सामाजिक मुद्दों पर आपकी जागरूकता बढ़ाने वाले तीन टेलीविजन कार्यक्रम बताइये।

जब आप बच्चे थे तो क्या आपने कभी टी.वी. पर विज्ञापित किसी चॉकलेट ब्रांड को दिलाने की जिद अपने माता–पिता से की थी? फिर आपके माता–पिता ने क्या किया?

चित्र 13.1: (ए) एक बच्चा टी.वी. पर एक विशेष ब्रांड की चाकलेट का विज्ञापन देखते हुए।

चित्र 13.1: (बी) वही बच्चा टी.वी. के विज्ञापन में देखे गये चाकलेट के लिये शापिंग माल में जिद करते हुए।

लापरवाही से टेलीविजन देखने के नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। क्या आपने ''काउच पोटैटो' शब्द सुना है? यह उन लोगों के लिये प्रयुक्त होता है जो अपना अधिकांश समय टी.वी. के सामने बैठकर व्यतीत करते हैं। क्या आप किसी ऐसे 'काउच पोटैटो' को जानते हैं? अधिक टेलीविजन देखने से आप अन्य कार्यों से विमुख हो सकते हैं जैसे अध्ययन, खेलकूद, अपने माता–पिता का घरेलू काम में सहयोग आदि। चूँकि टेलीविजन देखना एक शिथिल कार्य है अतः इससे मोटापा भी बढ़ सकता है। टेलीविजन पर आने वाले आकर्षक विज्ञापन लोगों को विभिन्न उत्पाद खरीदने के लिये आकर्षित कर सकते हैं।

टेलीविजन देखने का सम्बन्ध एक ही साँचे में ढलकर रूढ़िबद्ध होने से भी है। महिलाओं पर आधारित कुछ धारावाहिक देखिये और यह जानने की कोशिश कीजिये कि नायिका का अधिकतम समय कहाँ व्यतीत होता है। संभवतः आप पायेंगे कि वह अधिक समय घर में ही रहती है। यहाँ इस रूढ़ि को चतुराई से पुनः स्थापित किया गया है कि महिलाओं को ज्यादा समय घर में ही व्यतीत करना चाहिये। आपने हिंदी कामेडी शो में 'मद्रासी' का निरूपण देखा होगा। इस चित्रण का दक्षिण भारत से कोई वास्तविक संबंध नहीं है।

क्रियाकलाप 13.4: *किन्हीं ऐसे दो टेलीविजन कार्यक्रमों को पहचानिये जिनमें रूढ़िबद्धता हो।*

टेलीविजन पर दिखाई गयी हिंसा तथा बच्चों के उग्र व्यवहार के बीच सम्बन्ध पर अनेक अध्ययन किये जा चुके हैं।

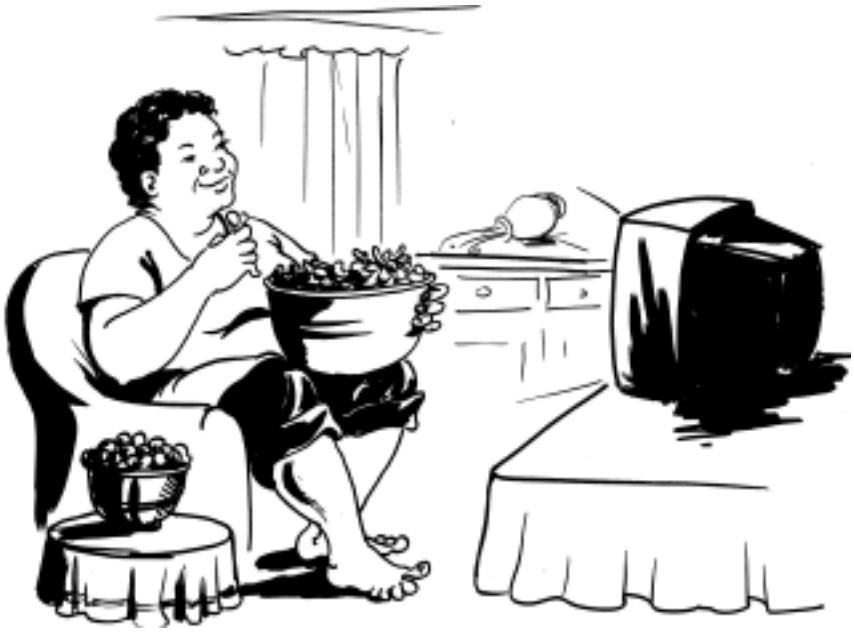

चित्र 13.2: हिंसक सामग्री देखते हुये

इन अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्ष से सामान्य धारणा बनी है कि हिंसा अधिक देखने से बच्चे इसे एक सर्वस्वीकार्य व्यवहार समझने लगते हैं। हिंसक कार्यक्रमों को देखने का संबंध वयस्क तथा बालक दोनों की उग्रता से है। पाया गया है कि इन कार्यक्रमों से उन बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जिन्होंने हिंसा, गरीबी देखी हो या अपने जीवन में उपेक्षा के शिकार रहे हों।

क्रियाकलाप 13.5: *एक सप्ताह तक अपने पसंदीदा चैनल पर दिखाये गये हिंसा की मात्रा देखिये तथा अपने मित्रों से इसके प्रभाव पर चर्चा कीजिये।*

कुछ टेलीविजन कार्यक्रम बच्चों में भय की उत्पत्ति कर सकते है।

चित्र 13.4: भय की अभिव्यक्ति

इस प्रकार टेलीविजन अपने आप में न अच्छा है न बुरा। यह मात्र जनसंचार का एक अन्य माध्यम है। सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभाव हमारे द्वारा उपयोग पर निर्भर करता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजियेः–

1. बच्चों पर हिंसक टेलीविजन सामग्री का क्या प्रभाव पड़ता है?
2. टेलीविजन के दो सकारात्मक प्रभाव बताइये।
3. निम्नलिखित में से कौन सा टेलीविजन का नकारात्मक पक्ष नहीं है?

   (क) मनोरंजन प्रदान करता है।

   (ख) इसमें अत्यधिक हिंसक सामग्री हो सकती है।

   (ग) अधिक उपभोक्तावाद प्रेरित करता है।
4. बताइये कि निम्नलिखित वक्तव्य सही हैं या गलतः–

   (i) किसी भी टेलीविजन कार्यक्रम से आपको सूचना मिल सकती है।

   (ii) टेलीविजन पर अधिक हिंसा देखने से कुछ बच्चों में उग्र व्यवहार प्रेरित हो सकता है।

(iii) टेलीविजन देखने से मोटापा बढ़ता है।

(iv) मनोरंजन उपलब्ध कराना टेलीविजन का एकमात्र उद्देश्य है।

(v) टेलीविजन देखना बच्चों के लिये बुरा होता है।

13.5 टेलीविजन में कुछ नये रुझान

हमने अपने जीवन में टेलीविजन का प्रभाव समझा। अब आइये हम टेलीविजन के क्षेत्र में कुछ नयी प्रगति पर एक नजर डालें। क्या आप टेलीविजन देखने के लिये एंटीना पर निर्भर हैं? ऐसी स्थिति में आपका टेलीविजन सेट स्थलीय संचार पर निर्भर है। टेलीविजन पर देखने की सामग्रियों को अनेक प्रकार से प्रेषित किया जा सकता है। यह स्थलीय संचार के माध्यम से भी वितरित हो सकता है। इस पद्धति में टेलीविजन से संबद्ध एंटीना का उपयोग प्रसारक ट्रांसमिटर द्वारा प्रेषित सिग्नल प्राप्त करने के लिये किया जाता है। यह टेलीविजन प्रसारण की परम्परागत विधि है। प्रेषण की अन्य विधियों में केबल नेटवर्क तथा सीधा प्रसारण उपग्रह के माध्यम से सिग्नल भेजना सम्मिलित है।

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके इलाके में केबल संचालक किस प्रकार ढेर सारे चैनलों का समूह आप तक भेजता है? भारत में केबल वितरण एक श्रंखला के तौर पर समझा जा सकता है जो प्रसारक द्वारा केबल संचालक को भेजे गये सिग्नल से प्रारंभ होता है। इसके बाद केबल संचालक इन सिग्नलों को हमारे घर तक पुनः प्रेषित करते हैं। इनमें निःशुल्क 'फ्री टू एयर' तथा भुगतान वाले 'पे चैनल' होते हैं। निःशुल्क चैनलों

टिप्पणी

के लिये प्रसारक केबल संचालक से कोई भुगतान नहीं लेते। आजतक, सहारा तथा टाइम्स नाऊ कुछ निःशुल्क चैनल हैं। पे चैनल जैसे 'सोनी' और 'स्टार प्लस' प्रति ग्राहक प्रतिमाह एक निश्चित धन का भुगतान लेते हैं।

टेलीविजन सेट को रखने की सबसे अच्छी जगह आपके घर में कौन सी है? वह कमरा जिसमें आप रहते हैं? अब एक नये प्रस्तुति स्थान के आने के बाद यह स्थान सदा के लिये बदलने जा रहा है। अपने मोबाइल फोन पर अपना पसंदीदा चैनल देखना कैसा रहेगा? यह भारत में एक वास्तविकता बन चुका है। इस तरह आप आप यात्रा कर रहे हों, तब भी अपना पसंदीदा कार्यक्रम देख पायेंगे।

क्या आप जानते हैं?

अब एंटीना वाली कारें भी आती हैं जिसमें आप कार के अंदर टेलीविजन के कुछ चैनल देख सकते हैं।

एक अन्य दिलचस्प तकनीकी है 'इंटरनेट प्रोटोकोल टेलीविजन' (आई.पी.टी.वी) है जो आपके लिये कंप्यूटर या मोबाइल फोन पर भी टेलीविजन देखना संभव बनाती है। इसमें उपभोक्ता इस उद्देश्य से उपलब्ध कराये गये एक सेट टाप बॉक्स तथा एक इंटरनेट कनेक्शन की मदद से टेलीविजन देख सकता है, कार्यक्रम रिकार्ड कर सकता है तथा अपने अनुभव अपने मित्रों के साथ बाँट सकता है इस पद्धति में एक सेलफोन का उपयोग कार्यक्रम की रिकार्डिंग की योजना बनाने के लिये किया जा सकता है। इसमें उपभोक्ता को ज्यादा विकल्प, नियंत्रण तथा सुविधा प्राप्त होती है। कई प्रमुख भारतीय टेलीविजन चैनल अपने वेबसाइट्स के माध्यम से अपने कार्यक्रमों की विडियो क्लिप्स उपलब्ध कराते हैं।

क्या आपके पड़ोस में कोई साइबर कैफे है? क्या आप वहाँ कभी इंटरनेट पर कुछ देखने या जानने के लिये गये हैं? यदि आप कंप्यूटर से परिचित नहीं हैं तो आपको साइबर कैफे जाना एक उद्देश्य बना लेना चाहिये। इंटरनेट या नये माध्यम ने 'संप्रेषण की एक संपूर्ण नयी दुनिया' का रास्ता खोल दिया है। यह नया माध्यम टेलीविजन के लिये एक चुनौती बनता जा रहा है। क्या आप जानते हैं कि विकसित देशों के अनेक युवा टेलीविजन सेट के सामने बैठने की अपेक्षा इंटरनेट पर अधिक समय व्यतीत करते हैं।

टिप्पणी

नये माध्यम में आडियंस की अधिक सहभागिता संभव है। नये माध्यम के विषय में आप इस मॉड्यूल में और भी सीखेंगे। इंटरनेट द्वारा लायी गयी चुनौतियों का सामना करने के लिये टेलीविजन ने अपने रास्ते खोज लिये हैं। दर्शक पर आधारित शो जिसमें दर्शक ही विजेता का निर्णय करते हैं इसका एक उदाहरण है। अपनी माँ से पूछिये कि क्या 15 वर्ष पूर्व भारतीय टेलीविजन पर इस तरह का कोई कार्यक्रम था। उत्तर मिलेगा 'नहीं'। ऐसा इसलिये है कि नया माध्यम मीडिया परिद श्य से हाल में ही जुड़ा है और अतीत में टेलीविजन के समक्ष ऐसी कोई चुनौती नहीं थी। वास्तविक (रियलिटी) टेलीविजन एक अन्य नया रुझान है। क्या आपने 'इंडियन आइडॉल', 'बिग बॉस' और 'सा रे ग म प' जैसे कार्यक्रम देखे हैं? ये रियलिटी टेलीविजन के उदाहरण हैं।

पाठगत प्रश्न 13.5

1. आइ.पी.टी.वी. क्या हे?

2. पे चैनल क्या है?

3. निम्नलिखित में से कौन सी टीवी प्रसारण की परम्परागत पद्धति है?

   (i) स्थलीय संचार

   (ii) आई.पी. टी.वी

   (iii) एच.डी. टी.वी

   (iv) मोबाइल टी.वी प्रसारण

4. उपयुक्त शब्द/शब्दों के साथ रिक्त स्थान की पूर्ति करिये—

   (i) ..... फ्री टु एयर चैनल का एक उदाहरण है।

   (ii) मोबाइल टी.वी. प्रसारण एक ..... है।

   (iii) ..... टेलीविजन की एक हानि है।

   (iv) ..... एक इंटरऐक्टिव माध्यम है।

टिप्पणी

13.6 आपने क्या सीखा

→ टेलीविजन का उद्भव

- टेलीविजन के जनक
- पहली टेलीविजन सेवा बीबीसी
- श्वेत–श्याम सेवा
- रंगीन प्रसारण

भारत में टेलीविजन का इतिहास

- ए.आइ.आर. के एक अंग के तौर पर टेलीविजन
- 'दूरदर्शन' की स्थापना
- डी.डी. द्वारा पहला राष्ट्रीय प्रसारण
- 'प्रसार भारती' की स्थापना

निजी टेलीविजन चैनलों का उद्भव

- उपग्रह संचार
- स्टार टी.वी. का आगमन

हमारे दैनिक जीवन में टेलीविजन का प्रभाव

- सूचना चैनल
- शैक्षिक चैनल
- मनोरंजन चैनल
- हिंसा का प्रदर्शन
- रूढ़िबद्धता का स जन

टिप्पणी

- भय पैदा होना

→ टेलीविजन में नये रुझान

- केबल नेटवर्क
- सीधा प्रसारण
- इंटरनेट प्रोटोकोल टेलीविजन

13.7 पाठान्त प्रश्न

1. भारतीय टेलीविजन के इतिहास के तीन मील के पत्थर बताइये।
2. टेलीविजन किस प्रकार हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करता है?
3. टेलीविजन के नये रुझानों को बताइये।
4. टेलीविजन के उद्‌भव में प्रमुख घटनाओं की पहचान कीजिये।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

13.1 1. जान बेयर्ड 2. ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कार्पोरेशन (बीबीसी)

3. 1953 4. (i) (2) (ii) (a) (iii) (a)

13.2 1. सैटेलाइट इन्स्ट्रक्शनल टेलीविजन एक्सपेरिमेंट

2. भाग 13.2 देखिये

3. भाग 13.2 देखिये

4. (i) (a) (ii) (b) (iii) (d) (iv) (a)

13.3 1. भाग 13.3 देखिये

2. अमरीकी समाचार चैनल सी.एन.एन. द्वारा खाड़ी युद्ध का प्रसारण

टिप्पणी

3. (i) जी (ii) केरल (iii) सैटेलाइट टेलीविजन एशियन रीजन

(iv) दूरदर्शन (v) टाइम्स नाऊ, अन्य

13.4 1. भाग 13.4 देखिये।

2. सूचना तथा शिक्षा देना।

3. (a) मनोरंजन प्रदान करता है।

4. (i) गलत (ii) सही (iii) गलत (iv) गलत (v) गलत

13.5 1. भाग 13.5 देखिये।

2. भाग 13.5 देखिये।

3. (i) स्थलीय प्रसारण।

4. (i) आजतक, अन्य।

(ii) नवीन टेलीविजन सामग्री देने का साधन।

(iii) विलम्बित फीडबैक।

(iv) नया माध्यम।